



युवा प्रभाग - दिव्य दर्पण ग्रुप

अक्टूबर, 2023 मास के पुरुषार्थ की पॉइंट्स

अक्टूबर मास का चार्ट:

लक्ष्य – व्यर्थ बोल और डिस्टर्ब करने वाले बोल से मुक्त

ब्राह्मण जीवन को वरदान है - सत वचन का अर्थात संगमयुगी ब्राह्मण जो भी बोलेंगे वह सत वचन होगा। हमें अपनी वाणी पर बहुत सावधानी रखनी होगी। बोल की ईकानामी करनी होगी। व्यक्ति का व्यक्तित्व उसकी वाणी से नापा जाता है। हम भविष्य में किस पद पर होंगे वह भी हमारी वाणी पर आधारित है। बाबा ने हम बच्चों को मंत्र दिया है कम बोलो, धीरे बोलो और मीठा बोलो। हम ब्राह्मणों को केवल शुद्ध शब्दों का ही प्रयोग करना चाहिए। अशुद्ध शब्द, मजाक के बोल और दूसरे की स्थिति उगमग करने वाले बोल हमें कभी नहीं बोलना चाहिए। हम पूर्वज और पूज्य आत्माएं हैं। हमारे बोल महावाक्य होने चाहिए। अगर हम कभी व्यर्थ और कभी समर्थ संकल्प चलते होंगे तो हमारी पूजा भी काम चलाऊ होगी।

तो आईये, हम व्यर्थ और डिस्टर्ब करने वाले बोल से स्वयं को मुक्त करे और संसार के सामने अपना पूर्वज और पूज्य स्वरूप प्रत्यक्ष करें।

सप्ताह	दिव्य दर्पण का पुरुषार्थ
पहला	मजाक करने वाले बोल से मुक्त
दूसरा	व्यर्थ बोल से मुक्त
तीसरा	डिस्टर्ब करने वाले बोल से मुक्त
चौथा	अशुद्ध बोल से मुक्त

हर दिन का जो लक्ष्य दिया है उसका अभ्यास एवं चिंतन करना है। उस पर कम से कम 10 लाइन्स में अनुभव लिखना है। रोज रात को चेक करना है कि हम कितना % व्यर्थ बोल और डिस्टर्ब करने वाले बोल से मुक्त बने हैं।

❖ विशेष Activity: मास के हर रविवार को सभी युवा एवं दिव्य दर्पण चार्ट भरने वाले भाई-बहनों का वर्कशॉप रखें. जिसमें ग्रुप बनाकर उन्हें निम्नलिखित प्रश्नों पर विचार विमर्श कराएं: (एक रविवार का सेम्पल)

1. व्यर्थ बोल और डिस्टर्ब करने वाले बोल अर्थात क्या?
2. व्यर्थ बोल और डिस्टर्ब करने वाले बोल से मुक्त होने की धारणाएं?
3. व्यर्थ बोल और डिस्टर्ब करने वाले बोल से मुक्त आत्माओं की निशानियां।
4. व्यर्थ बोल और डिस्टर्ब करने वाले बोल से मुक्त होने का Action Plan बनाएं।

❖ फ्रेम बुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिंदु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:

1. गुड मॉर्निंग - 3.30
2. अमृतवेला-3.30 से 4.45
3. व्यायाम/पैदल-हाँ जी
4. ट्रैफिक कंट्रोल - 55.
5. मुरली क्लास - क्लास में सुनी
6. अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी
7. नुमाशाम का योग-हाँ जी
8. स्वमान की स्मृति-बहुत अच्छी
9. व्यर्थ बोल मुक्त - 60%
10. गुड नाईट - रात्रि - 10.30

❖ इस मास हम विशेष निम्नलिखित दो मर्यादाओं का कंगन बांधेंगे:

1. सदा शुद्ध शब्दों का प्रयोग करेंगे।
2. कभी भी रॉयल मांग नहीं करेंगे। जैसे कि मेरा कुछ नाम हो जाए, शान हो जाए, आदि आदि।

❖ अभ्यास: हर घंटे एक मिनट के लिए अनुभव करेंगे कि बाबा से पवित्रता की किरणें निकलकर मुझ आत्मा पर पड़ रही हैं। मैं आत्मा समर्थ बन रही हूँ।

- दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिंतन कर 10 पॉइंट्स लिखनी हैं एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह जरूर लिखें।

सप्ताह	स्वमान
पहला	मैं आत्मा पूर्वज हूँ।
दूसरा	मैं आत्मा पूज्य हूँ।
तीसरा	मैं आत्मा संगमयुगी फ़रिश्ता हूँ।
चौथा	मैं आत्मा ब्राह्मण कुल का दीपक हूँ।

Phone No: (079) 26444415, 26460944 Email: bkyouthwing@gmail.com Website: www.bkyouth.org